विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग

रूचि केन्द्रित (C.B.C.S.)
सेमेस्टर पद्धति

स्नातक पाठ्यक्रम
(प्रतिष्ठा एवं पास)

क्षेत्रीय भाषा – खोरठा

पूरोवाक्

निज भाषा उन्नति है, सब उन्नति कै मूल।
बिन निज भाषा उन्नति कै, मिटै न हिय कै शूल।।

— भारतेन्दु

यूनानी दार्शनिक अरस्तू ने कहा है, मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। इसे थोड़ा और कहा जा सकता है कि मनुष्य एक भाषिक प्राणी भी है क्योंकि मनुष्य के पास ही भाषा (परिष्कृत) है, अन्य जीवों के पास नहीं है। समाज के विकास के साथ–साथ भाषा का भी विकास हुआ। भाषा का संबंध संस्कृति से है और संस्कृति का संबंध जीवन से। इस तरह जीवन को बचाना है तो संस्कृति को बचाना होगा और संस्कृति को बचाने का सवाल नितांत बुनियादी है।

झारखण्ड एक बहु प्रजातीय, बहु सांस्कृतिक एवं बहुभाषिक राज्य है। यहां आर्य, द्रविड़ एवं आग्नेय तीन प्रजाति के लोग हजारों वर्षों से रहते आ रहे हैं। यहाँ तीन भाषा परिवार की भाषाएं बोली जाती हैं जो तीन प्रजाति समूह की संस्कृतियों का वहन करती है। आर्य प्रजाति के लोग सदान नाम से जाने जाते हैं और सदान झारखंड का ऐसा गैर जनजातीय समुदाय है जो झारखंड में जनजातीय सन्निवेश में हजारों वर्षों से रहने के कारण इस समुदाय में झारखंड में विभिन्न संस्कृति एवं पहचान बना ली है और जिसमें झारखंड की समन्वित संस्कृति का विकास किया है। यद्यपि सदान समुदाय आर्य प्रजाति में परिगणित है, बावजूद कि सदान समुदाय की भाषा को सदानी की संज्ञा प्राप्त है। विवेच्य खोरठा भाषा सदानी भाषा समूह की एक प्रमुख भाषा है जो झारखंड के 24 जिलों में से 16 जिलों की डेढ़ करोड़ जतना की लोकप्रिय जनभाषा है। यह भाषा जनजातीय भाषा समुदाय को अपने से इतर समुदाय के बीच बना संपर्क भाषा का भी काम करती है। वर्तमान में इस भाषा को झारखंड की द्वितीय राजभाषा की दर्जा प्राप्त है।

खोरठा राँची विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम में शामिल है इसके अतिरिक्त विभिन्न नियुक्ति परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में भी शामिल है। इस भाषा का लोक साहित्य स्पृहनीय रूप से समृद्ध है इसकी शिष्ट साहित्यिक परंपरा तीन सौ वर्षों की है। साहित्य के सभी विद्याओं में इसका साहित्य ग्रंथ उपलब्ध है। भाषा विज्ञान, व्याकरण एवं शब्दकोश की पुस्तकें भी हैं। दर्जनों शोधग्रंथ प्रकाशित हैं और सैंकड़ों शोधार्थी शोधरत हैं।

प्रतिष्ठित विनोबा भावे विश्वविद्यालय खोरठा भाषा के केंद्रीय क्षेत्र में अवस्थित है। यह सुखद विषय है कि विलंब से ही सही, विश्वविद्यालय प्रशासन ने जनभावना का सम्मान करते हुए खोरठा भाषा साहित्य को स्नातक (पास एवं प्रतिष्ठा) के पाठ्यक्रम में शामिल कर विश्वविद्यालय को क्षेत्रीय पहचान देने का प्रयास किया है जो वंदनीय है, प्रशंसनीय है, प्रासंगिक है और सबसे ऊपर एक प्रगतिशील कदम है। उल्लेखनीय है कि चार वर्ष पूर्व की पहल पर स्नातक प्रतिष्ठा एवं पास का पाठ्यक्रम बनाया गया है, जिसका अनुशरण करते हुए कई महाविद्यालयों में इस भाषा की पढ़ाई हो रही है। वर्तमान में विनोबा भावे विश्वविद्यालय में मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार रूचि केन्द्रित (सी०बी०सी०एस०) सेमेस्टर पद्धति पर त्रिवर्षीय स्नातक (प्रतिष्ठा एवं पास) के लिए विभिन्न विषयों में पाठ्यक्रम बनाए जा रहे हैं। सम्प्रति, उसी कड़ी में प्रस्तुत है खोरठा भाषा एवं साहित्य स्नातक (प्रतिष्ठा एवं पास) के सेमेस्टर पद्धति का पाठ्यक्रम।

इति शुभ!

सावन पूर्णिमा 2015

खोरठा भाषा पाठ्यक्रम निर्माण समिति।

पाठ्यक्रम निर्माण समिति के सदस्यों के नाम, पदनाम एवं पता

1. डॉ० बी० एन० ओहदार – प्राध्यापक, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग,
   राँची विश्वविद्यालय, राँची।
   निदेशक – खोरठा भाषा साहित्य संस्कृति परिषद

2. डॉ० गजाधर महतो प्रभाकर – प्राचार्य, बिरसा मुण्डा इंटर कॉलेज, रामगढ़

3. प्रो. दिनेश दिनमणि – प्राध्यापक, आर०टी०सी० कॉलेज, ओरमांझी (राँची)

4. प्रो० भुनेश्वर साहु – प्राध्यापक, पी०टी०पी०एस० कॉलेज, पतरातू (रामगढ़)

5. प्रो० नागेश्वर महतो – प्राध्यापक, चितरपुर कॉलेज, चितरपुर (रामगढ़)
   उपाध्यक्ष – खोरठा भाषा साहित्य संस्कृति अकादमी, रामगढ़

6. प्रो० बीरबल महतो – प्राध्यापक, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा, रामगढ़ कॉलेज, रामगढ़।

7. प्रो० महेश महतो – प्राध्यापक, इंदिरा गाँधी श्रमिक महाविद्यालय मांडू (रामगढ़)

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा की रूपरेखा

प्रथम सेमेस्टर पत्र कोड		
KHO-H-C-101	लोकगीत	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-102	लोककथा	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-AECC-103		क्रेडिट 2 (50 अंक)) = 2 क्रेडिट = 50
KHO-H-GE-104	लोकगीत	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
		कुल 20 क्रेडिट = 350
द्वितीय सेमेस्टर पत्र कोड		
KHO-H-C-201	खोरठा पद्य साहित्य	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-202	खोरठा गद्य साहित्य	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-AECC-203	पर्यावरण विज्ञान (विश्वविद्यालय प्रदत)	क्रेडिट 2 (50 अंक)) = 2 क्रेडिट = 50
KHO-H-GE-204	खोरठा पद्य साहित्य	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
		कुल 20 क्रेडिट = 350
तृतीय सेमेस्टर पत्र कोड		
KHO-H-C-301	हिन्दी साहित्य का इतिहास– (आदिकाल)	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-302	हिन्दी साहित्य का इतिहास– (भक्ति एवं रीतिकाल)	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-303	हिन्दी साहित्य का इतिहास– (आधुनिक काल)	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-GE-304	लोककथा	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-SEC-305	टाइपिंग अथवा पर्यावरण–संरक्षण	क्रेडिट 2 (50 अंक)) = 2 क्रेडिट = 50
		कुल 26 क्रेडिट = 450
चतुर्थ सेमेस्टर पत्र कोड		
KHO-H-C-401	खोरठा लोकगाथा एवं प्रकीर्ण साहित्य	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-402	खोरठा पद्य साहित्य का इतिहास	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-403	खोरठा गद्य साहित्य का इतिहास	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-GE-404	खोरठा गद्य साहित्य	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-SEC-405	कला–संस्कृति (लोक गायन वादन एवं नृत्य)	क्रेडिट 2 (50 अंक)) = 2 क्रेडिट = 50
		कुल 26 क्रेडिट = 450
पंचम सेमेस्टर पत्र कोड		
KHO-H-C-501	सामान्य भाषा विज्ञान	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-502	साहित्य–सिद्धान्त	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-503	खण्ड 'अ' उपन्यास खण्ड 'ब' कहानी	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-504	खण्ड 'अ' नाटक खण्ड 'ब' एकांकी	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
		कुल 24 क्रेडिट = 400
षष्ठ सेमेस्टर पत्र कोड		
KHO-H-C-601	खोरठा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-602	साहित्यिक निबन्ध	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-603	खण्ड 'अ' प्रबंध काव्य खण्ड 'ब' गीत काव्य	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-604	खण्ड 'अ' श्रीनिवास पानुरी खण्ड 'ब' डॉ. ए. के. झा	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
		कुल 24 क्रेडिट = 400

नोट – षष्ठ सेमेस्टर के पत्र KHO-H-DSE-603 या KHO-H-DSE-604 की जगह किसी एक में विद्यार्थी लघुशोध प्रबंध रख सकते है। लघु शोध प्रबध 100 अंकों का होगा, जिसमे 80 अंक (5 क्रेडिट) प्रबंध लेखन तथा 20 अंक (01 क्रेडिट) मौखिकी हेतु निर्धारित है। इसमें उत्तीर्णांक 50 प्रतिशत होगा।

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

KHO-H-C-101
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

लोकगीत

इकाई 1.	लोकगीत की परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	—	02 क्रेडिट
इकाई 2.	लोकगीतों का वर्गीकरण	—	01 क्रेडिट
इकाई 3.	पर्व त्योहार के लोकगीतों की विशेषताएँ एवं महत्ता	—	01 क्रेडिट
इकाई 4.	संस्कार गीत एवं अन्य गीत की विशेषताएँ एवं महत्ता	—	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :— 1. एक टोकी फूल, 2. खोरठा लोक साहित्य (शिवनाथ प्रमाणिक)
3. खोरठा लोक साहित्य (झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान)
4. खोरठा लोक साहित्य सार (डॉ0 गजाधर महतो प्रभाकर)

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक — एक लिखित परीक्षा — 15 अंक, उपस्थिति — 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

KHO-H-C-102
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

लोककथा

इकाई 1.	लोककथा की परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2.	लोककथा का वर्गीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3.	अपनी भाषा की प्रचलित लोककथाओं में अभिप्रायतत्व, संस्कृति व समाज	–	01 क्रेडिट
इकाई 4.	लोककथाओं से सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :– 1. खोरठा लोककथा संपादक– ए.के. झा
2. खोरठा लोक साहित्य (शिवनाथ प्रमाणिक)
3. खोरठा लोक साहित्य (झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान)
4. खोरठा लोकसाहित्य सार– डॉ० गजाधर महतो प्रभाकर

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

KHO-AECC-103
क्रेडिट 2 (40 अंक) + (10 अंक) = 2 क्रेडिट = 50

इकाई 1.	रामकथा अमृत : श्रीनिवास पानुरी	–	½ क्रेडिट
इकाई 2.	निबंध	–	½ क्रेडिट
इकाई 3.	व्याकरण – संज्ञा (भेद, लिंग, वचन), सर्वनाम, क्रिया, कारक	–	½ क्रेडिट
इकाई 4.	विपरीतार्थक, पर्यायवाची, मुहावरा, लोकोक्ति	–	½ क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि डेढ़ घंटे की होगी।
2. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' निबंध एवं व्याकरण प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
3. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2 में से 1, खंड 'ख' निबंध 4 में से 1 एवं व्याकरण 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
4. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	1×10=10
निबंध		:	1×10=10
व्याकरण		:	2×5 = 10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×1=10
	कुल	:	40 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	10 अंक
	कुल	:	50 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 07 अंक, उपस्थिति – 03 अंक = 10 अंक

स्नातक खोरठा (G.E.) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

KHO-H-GE-104
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

लोकगीत :–

इकाई 1.	लोकगीत की परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2.	लोकगीतों का वर्गीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3.	पर्व त्योहार के लोकगीतों की विशेषताएँ एवं महत्ता	–	01 क्रेडिट
इकाई 4.	संस्कार गीत एवं अन्य गीत की विशेषताएँ एवं महत्ता	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :–

1. एक टोकी फूल,
2. खोरठा लोक साहित्य (शिवनाथ प्रमाणिक)
3. खोरठा लोक साहित्य (झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान)
4. खोरठा लोक साहित्य सार (डॉ0 गजाधर महतो प्रभाकर)

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

KHO-H-C-201
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा पद्य साहित्य

इकाई 1 .	रूसल पुटुस, संपादक – शिवनाथ प्रमाणिक	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	रूसल पुटुस के कवियों का परिचय	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	दामुदरेक कोराञ– शिवनाथ प्रमाणिक	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	सोहन लागे रे, संपादक – दिनेश दिनमणि	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

KHO-H-C-202
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा गद्य साहित्य

इकाई 1 .	प्रतिनिधि कहानियाँ (संयुक्त संपादन) 1 से 6	पाठ	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	प्रतिनिधि कहानियाँ (संयुक्त संपादन) 7 से 12	पाठ	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	खोरठा निबंध– डॉ. बी.एन. ओहदार– 1 से 6	पाठ	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	खोरठा निबंध– डॉ. बी.एन. ओहदार– 7 से 12	पाठ	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा (G.E.) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

KHO-H-GE-204
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा पद्य साहित्य

इकाई 1 .	खोरठा पद्य साहित्य का उद्‌भव और विकास	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	बोनेक बोल की प्रारंभिक दस कविताएँ	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	बोनेक बोल की प्रारंभिक 11–20 कविताएँ	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	मइछ गंधा– शिवनाथ प्रमाणिक	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तक : खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) डॉ बी.एन. ओहदार

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-H-C-301
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल)

इकाई 1 .	आदिकाल का नामकरण, सीमांकन, परिस्थितियाँ	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	आदिकाव्य की प्रवृतियाँ	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	नाथ साहित्य, सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	विद्यापति एवं अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तके :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-H-C-302
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल एवं रीति काल)

इकाई 1 .	भक्तिकाल का नामकरण, सीमांकन, परिस्थितियाँ	—	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	भक्तिकाव्य की प्रवृतियाँ (सगुण–निर्गुण)	—	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	रीतिकाल का नामकरण, सीमांकन, परिस्थतियाँ	—	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	प्रवृतियाँ (रीति सिद्ध, रीति बद्ध, रीति मुक्त)	—	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तके :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-H-C-303
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई 1 .	आधुनिकता की अवधारणा, प्रेरक परिस्थितियाँ	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	गद्य में– कहानी, नाटक का उद्‌भव विकास	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	उपन्यास, निबंध का उद्‌भव विकास	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा (G.E.) द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-H-GE-304
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

लोककथा

इकाई 1.	लोककथा की परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2.	लोककथा का वर्गीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3.	अपनी भाषा की प्रचलित लोककथाओं में अभिप्रायतत्व, संस्कृति व समाज	–	01 क्रेडिट
इकाई 4.	लोककथाओं से सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :– 1. खोरठा लोककथा संपादक– ए.के. झा
2. खोरठा लोक साहित्य (शिवनाथ प्रमाणिक)
3. खोरठा लोक साहित्य (झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान)
4. खोरठा लोक साहित्य सार (डॉ0 गजाधर महतो प्रभाकर)

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-H-SEC-305
क्रेडिट 2 (50 अंक)

खंड "अ"
टाइपिंग (अंग्रेजी एवं हिन्दी)

इकाई :	1.	कंप्यूटर की सामान्य जानकारी	–	01 क्रेडिट
	2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी टाइपिंग	–	01 क्रेडिट

अथवा

खंड "ब"
पर्यावरण संरक्षण हेतु बागवानी

इकाई :	1.	मृदा की परिभाषा एवं प्रकार	–	01 क्रेडिट
	2.	पेड़–पौधों रोपण एवं संरक्षण	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. पूरे पाठ्यक्रम से कुल पाँच प्रश्न होंगे।
2. खंड 'क' में तीन प्रश्न में एक के, खंड 'ख' तीन प्रश्न में से दो के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1X20 = 20
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	2X10 = 20
आंतरिक	–	10
कुल	–	50

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 07 अंक, उपस्थिति – 03 अंक = 10 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-H-C-401
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा लोकगाथा एवं प्रकीर्ण साहित्य

इकाई 1 .	लोकगाथा– परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	महराय लोकगाथा का अध्ययन	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	प्रकीर्ण साहित्य – परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	लोकोक्ति, मुहाबरा, बुझौवल, मंत्र (परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता)	–	01 क्रेडिट

पाठ्य पुस्तक :
1. महराइ – चितरंजन महतो 'चित्रा'
2. खोरठा प्रकीर्ण साहित्य – प्रो0 बीरबल महतो
3. खोरठा लोक साहित्य सार – डॉ० गजाधर महतो प्रभाकर

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-H-C- 402
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा पद्य साहित्य का इतिहास

इकाई 1 .	आदिकाल (सीमांकन प्रवृतियाँ, कवि)	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	मध्यकाल (सीमांकन प्रवृतियाँ, कवि)	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	आधुनिककाल (सीमांकन प्रवृतियाँ, कवि)	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	रचनाकार परिचय	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तक : खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास), डॉ0 बी0एन0 ओहदार

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-H-C- 403
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा गद्य साहित्य का इतिहास

इकाई 1 .	गद्य साहित्य का उद्‌भव और विकास	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	कहानी, नाटक का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	उपन्यास, निबंध का उद्‌भव विकास	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	रचनाकार परिचय	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तक : खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास), डॉ0 बी0एन0 ओहदार

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा (G.E.) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-H-GE- 404
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा गद्य साहित्य

इकाई 1 .	खोरठ गद्य–कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध उदभव विकास	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	खोरठा की प्रतिनिधि कहानियाँ (एक से सात तक)	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	प्रतिनिधि कहानियाँ (शेष कहानियाँ)	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	आपन मंगल (नाटक) मनपूरन गोस्वामी अथवा लोह–लोहान घाटी (नाटक)– डॉ. पारसनाथ महतो	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तक : खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्भव एवं विकास), डॉ0 बी0एन0 ओहदार

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' पाठ्य पुस्तक से व्याख्यात्मक प्रश्न 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-H-C- 405
क्रेडिट 2 (50 अंक)

कला संस्कृति का सामान्य परिचय
(लोकगायन, वादन एवं नृत्य)

इकाई 1 .	लोक गायन एवं वादन एवं नृत्य का परिचय	–	01 क्रेडिट
इकाई 2 .	प्रमुख झारखंडी कलाएँ	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि डेढ़ घंटे की होगी।
2. कुल पाँच प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है।(10X3=30)
3. लघु उत्तरीय प्रश्न
4. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न		:	3×10=30
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×5=10
	कुल	:	40 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	10 अंक
	कुल	:	50 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 07 अंक, उपस्थिति – 03 अंक = 10 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-H-C- 501
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

सामान्य भाषा विज्ञान

इकाई 1 .	भाषा विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र विस्तार एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	भाषा एवं बोली– परिभाषा, विशेषताएँ एवं अंतर	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	भाषा उत्पत्ति के सिद्धांत	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा परिवार, भारतीय आर्य भाषा का विकास, प्राकृत से आधुनिक भाषा तक	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :
1. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-H-C- 502
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

साहित्य सिद्धांत

इकाई 1 .	साहित्य की परिभाषा, काव्य के तत्व– काव्यगुण, काव्यदोष, काव्य रीति, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	शब्द–शक्ति एवं रस	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	छंद परिभाषा एवं लक्षण पाठ्य छंद– दोहा, चौपाई, सोरठा, रोला, कुंडलियां, सवैया, कवित	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	अलंकार (परिभाषा एवं लक्षण) पाठ्य अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, विरोधाभास, विभावना	–	01 क्रेडिट

सहायक ग्रंथ :–

1. साहित्य के तत्व एवं आयोम – डॉ0 विसेश्वर प्रसाद केशरी
2. काव्य के तत्व – आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. साहित्य सिद्धांत सार – डॉ0 गजाधर महतो प्रभाकर

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-H-DSE- 503
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खंड "अ"
खोरठा उपन्यास

इकाई :	1.	उपन्यास की परिभाषा, तत्व एवं प्रकार	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा उपन्यास का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक– सइर सगरठ– डॉ०ए०के झा	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक– सइर सगरठ– डॉ०ए०के झा	–	01 क्रेडिट

अथवा

खंड "ब"
खोरठा कहानी

इकाई :	1.	कहानी की परिभाषा, तत्त्व एवं प्रकार	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा कहानी का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	खोरठा के प्रमुख कहानीकार	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक– खटरस, जनार्दन गोस्वामी 'व्यथित	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-H-DSE- 504
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खंड "अ"
खोरठा नाटक

इकाई :	1.	नाटक की परिभाषा, तत्त्व एवं प्रकार	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा नाटक का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक, उदबासल कर्ण (श्रीनिवास पानुरी)	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक, एक काठ धान, (महेन्द्र प्रबुद्ध)	–	01 क्रेडिट

अथवा

खंड "ब"

इकाई :	1.	एकांकी की परिभाषा, तत्त्व, प्रकार एवं नाटक से अंतर	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा एकांकी का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक, जोंक (डॉ. महेन्द्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर')	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक, जोंक (डॉ. महेन्द्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर')	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-H-C- 601
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा भाषा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन

इकाई 1 .	अपनी भाषा का परिचय एवं क्षेत्र विस्तार	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	भाषा परिवार, क्षेत्रीय रूप एवं मानकीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	अपनी भाषा का व्याकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	अपनी भाषा का अन्य झारखंडी भाषाओं से तुलनात्मक अध्ययन	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :
1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास), डॉ0 बी0एन0 ओहदार
2. खोरठा व्याकरण – डॉ0 गजाधर महतो प्रभाकर
3. भाषा गर्हन – कृष्णचंद्र दास आला
4. खोरठा सहित सदानिक बेयाकरन – डॉ0 ए0के0 झा

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-H-C- 602
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

साहित्यिक निबंध (अपनी भाषा में)

इकाई 1 .	भाषा संबंधी निबंध	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	साहित्य संबंधी निबंध	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	संस्कृति संबंधी निबंध	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	साहित्यकारों पर निबंध	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर आवश्यक हैं।
3. प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।
4. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	4×20=80
आंतरिक मूल्यांकन	:	20
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-H-DSE- 603
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खंड "अ"
खोरठा प्रबंध काव्य

इकाई :
1. काव्य की परिभाषा, प्रबंधकाव्य की परिभाषा, तत्त्व एवं प्रकार– 02 क्रेडिट
2. खोरठा के प्रमुख प्रबंधकाव्य का परिचय, कथावस्तु सहित – 01 क्रेडिट
3. पाठ्य पुस्तक– मुक्तिक डहर– श्याम सुंदर महतो – 01 क्रेडिट
4. ओंगठा– महेन्द्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर' – 01 क्रेडिट

अथवा
खंड "ब"
गीत काव्य

इकाई :
1. गीति काव्य की परिभाषा, तत्त्व एवं प्रकार – 02 क्रेडिट
2. खोरठा गीत काव्य – 01 क्रेडिट
3. खोरठा के गीतकार – 01 क्रेडिट
4. पाठ्य पुस्तक (क) पइनसोखा– संपादक – सुकुमार
   (ख) बेलन्दरी– संपादक – शान्ति भारत – 01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-H-DSE- 604
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खंड "अ"
श्रीनिवास पानुरी

इकाई :	1.	श्रीनिवास पानुरी का जीवन परिचय एवं दर्शन	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा साहित्य में योगदान स्वरूप गद्य रचना	–	01 क्रेडिट
	3.	खोरठा साहित्य में योगदान स्वरूप पद्य रचना	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक – सबले बीस	–	01 क्रेडिट

अथवा
खंड "ब"
डॉ० ए० के० झा

इकाई :	1.	डॉ० ए० के० झा का जीवन परिचय एवं दर्शन	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा साहित्य में योगदान– गद्य रचना	–	01 क्रेडिट
	3.	खोरठा साहित्य में योगदान– पद्य रचना	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक– खोरठा काठे पइदेक खंडी	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-H-DSE- 604
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

नोट : षष्ठ सेमेस्टर के पत्र KHO-H-DSE-603 या KHO-H-DSE-604 की जगह किसी एक में विद्यार्थी लघुशोध प्रबंध रख सकते हैं। लघुशोध प्रबंध 100 अंकों का होगा, जिसमें 80 अंक (5 क्रेडिट) प्रबंधन लेखन, तथा 20 अंक (1 क्रेडिट) मौखिकी हेतु निर्धारित है इसमें उतीर्णांक 50 प्रतिशत होगा।

लघु शोध हिन्दी में

विषय :– साहित्य–संस्कृति, समाज, ऐतिहासिक स्थल, व्यक्तित्व आदि पर लघु शोधग्रंथ लिखना है। लघुशोध ग्रंथ लगभग 100 पृष्ठों का होगा। जिसे तीन प्रतियों में महाविद्यालय में जमा करना है। शोध के SYNOPSIS में समाविष्ट होनी चाहिए।

प्रारूप
प्रस्तावना
शोध लेखन की प्रसांगिकता
शोध के सिद्धांत
शोध विधि

स्नातक खोरठा जेनरल (पास कोर्स) की रूपरेखा

प्रथम सेमेस्टर पत्र कोड	
KHO-G-C-101	लोकगीत (प्रश्नोत्तर खोरठा में)
KHO-G-AECC-103	
द्वितीय सेमेस्टर पत्र कोड	
KHO-G-C-201	खोरठा पद्य साहित्य
KHO-G-AECC-203	पर्यावरण विज्ञान (विश्व वि. प्रदत्त)
तृतीय सेमेस्टर पत्र कोड	
KHO-G-C-301	लोककथा
KHO (MIL)-G- C-302	गद्य–पद्य संग्रह + निबंध एवं पत्र + व्याकरण
KHO-G-SEC-304	टाइपिंग अथवा पर्यावरण–संरक्षण हेतु बागवानी
चतुर्थ सेमेस्टर पत्र कोड	
KHO-G-C-401	खोरठा गद्य साहित्य
KHO MIL -G-C-403	गद्य–पद्य संग्रह + निबंध + संक्षेपन + व्याकरण
KHO-G-SEC-404	कला–संस्कृति (लोक गायन वादन एवं नृत्य)
पंचम सेमेस्टर पत्र कोड	
KHO-G-GE-501	साहित्यिक निबंध
KHO-G-SEC-502	अनुवाद विज्ञान
KHO-G-DSE-503	खण्ड 'अ' उपन्यास
	खण्ड 'ब' कहानी
षष्ठ सेमेस्टर पत्र कोड	
KHO-G-GE-601	खोरठा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन
KHO-G-SEC-602	अपनी रचना
KHO-G-DSE-603	खण्ड 'अ' नाटक
	खण्ड 'ब' एकांकी

स्नातक खोरठा जेनरल प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

KHO-G-C-101
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

लोकगीत :–

इकाई 1.	लोकगीत की परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2.	लोकगीतों का वर्गीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3.	पर्व त्योहार के लोकगीतों की विशेषताएँ एवं महत्ता	–	01 क्रेडिट
इकाई 4.	संस्कार गीत एवं अन्य गीत की विशेषताएँ एवं महत्ता	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :–

1. एक टोकी फूल,
2. खोरठा लोक साहित्य (शिवनाथ प्रमाणिक)
3. खोरठा लोक साहित्य (झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान)

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

KHO-G-C-201
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा पद्य साहित्य

इकाई 1 .	खोरठा पद्य साहित्य का उद्‌भव और विकास	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	बोनेक बोल की प्रारंभिक दस कविताएँ	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	बोनेक बोल की प्रारंभिक 11–20 कविताएँ	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	मइछ गंधा– शिवनाथ प्रमाणिक	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तक : खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) डॉ बी.एन. ओहदार

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-G-C-301
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

लोककथा

इकाई 1.	लोककथा की परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2.	लोककथा का वर्गीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3.	अपनी भाषा की प्रचलित लोककथाओं में अभिप्रायतत्व, संस्कृति व समाज	–	01 क्रेडिट
इकाई 4.	लोककथाओं से सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :– 1. खोरठा लोककथा संपादक– ए.के. झा
2, खोरठा लोक साहित्य (शिवनाथ प्रमाणिक)
3. खोरठा लोक साहित्य (झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान)

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO(MIL)-G-C- 302
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

पाठ्य पुस्तक– खोरठा गद्य–पद्य संग्रह :

1.	गद्य भाग	–	02 क्रेडिट
2.	पद्य भाग	–	01 क्रेडिट
3.	निबन्ध एवं पत्र लेखन	–	01 क्रेडिट
4.	व्याकरण– (उपसर्ग, प्रत्यय, मुहाबरा, लोकोक्ति, पहेली)	–	01 क्रेडिट

अक विभाजन–

गद्य भाग एवं पद्य भाग	–	20 + 20	=	40
निबन्ध एवं पत्र लेखन	–	12 + 8	=	20
व्याकरण (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)	–			20

पाठ्य पुस्तक –

1. खोरठा गद्य–पद्य संग्रह – सम्पादक मंडल
2. खोरठा व्याकरण– डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर
3. खोरठा सहित सदानिक वेयाकरन– डॉ. ए० के० झा

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-G-SEC-304
क्रेडिट 2 (50 अंक)

खंड "अ"
टाइपिंग (अंग्रेजी एवं हिन्दी)

इकाई :	1.	कंप्यूटर की सामान्य जानकारी	–	01 क्रेडिट
	2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी टाइपिंग	–	01 क्रेडिट

अथवा

खंड "ब"
पर्यावरण संरक्षण हेतु बागवानी

इकाई :	1.	मृदा की परिभाषा एवं प्रकार	–	01 क्रेडिट
	2.	पेड़–पौधों रोपण एवं संरक्षण	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. पूरे पाठ्यक्रम से कुल पाँच प्रश्न होंगे।
2. खंड 'क' में तीन प्रश्न में एक के, खंड 'ख' तीन प्रश्न में से दो के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1X20 = 20
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	2X10 = 20
आंतरिक	–	10
कुल	–	50

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 07 अंक, उपस्थिति – 03 अंक = 10 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-G-C- 401
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा गद्य साहित्य

इकाई 1 .	खोरठ गद्य–कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध उदभव विकास	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	खोरठा की प्रतिनिधि कहानियाँ (एक से सात तक)	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	प्रतिनिधि कहानियाँ (शेष कहानियाँ)	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	आपन मंगल (नाटक) मनपूरन गोस्वामी अथवा लोह–लोहान घाटी (नाटक)– डॉ. पारसनाथ महतो	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तक : खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास), डॉ0 बी0एन0 ओहदार

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO(MIL)-G-C- 403
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

पाठ्य पुस्तक– खोरठा गद्य–पद्य संग्रह :

1.	गद्य भाग	–	02 क्रेडिट
2.	पद्य भाग	–	01 क्रेडिट
3.	पल्लवन एवं संक्षेपण	–	01 क्रेडिट
4.	व्याकरण– (वर्ण एवं शब्द विचार)	–	01 क्रेडिट

अक विभाजन –

गद्य एवं पद्य भाग से दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	2X20 = 40
पल्लवन एवं संक्षेपण	–	2X10= 20
व्याकरण (वर्ण एवं शब्द विचार) वस्तुनिष्ठ	–	10X2= 20

पाठ्य पुस्तक –

1. खोरठा गद्य–पद्य संग्रह
2. खोरठा व्याकरण– डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर
3. खोरठा सहित सदानिक वेयाकरन– डॉ. ए० के० झा

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-G-SEC- 404
क्रेडिट 2 (50 अंक)

कला संस्कृति का सामान्य परिचय
(लोकगायन, वादन एवं नृत्य)

इकाई 1 .	लोक गायन एवं वादन एवं नृत्य का परिचय	–	01 क्रेडिट
इकाई 2 .	प्रमुख झारखंडी कलाएँ	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि डेढ़ घंटे की होगी।
2. कुल पाँच प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है।(10X3=30)
3. लघु उत्तरीय प्रश्न
4. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न		:	3×10=30
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×5=10
	कुल	:	40 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	10 अंक
	कुल	:	50 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 07 अंक, उपस्थिति – 03 अंक = 10 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-G-GE- 501
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

साहित्यिक निबंध (अपनी भाषा में)

इकाई 1 .	भाषा संबंधी निबंध	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	साहित्य संबंधी निबंध	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	संस्कृति संबंधी निबंध	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	साहित्यकारों पर निबंध	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर आवश्यक हैं।
3. प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।
4. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	4×20=80
आंतरिक मूल्यांकन	:	20
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-G-SEC- 502
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

अनुवाद विज्ञान

इकाई : 1. अनुवाद विज्ञान की परिभाषा, अनुवाद के सि(ांत एवं कोटियां — 01 क्रेडिट

2. (क) हिन्दी या अंग्रेजी से खोरठा में अनुवाद —
   (ख) खोरठा से हिन्दी या अंग्रेजी में अनुवाद — 01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें

1. अनुवाद विज्ञान (भोलानाथ तिवारी)
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी (अनुवाद खंड) माधव सोनटक्के

निर्देश :

1. पूरे पाठ्यक्रम से कुल पाँच प्रश्न होंगे।
2. दीर्घ उत्तरीय के तीन प्रश्न में से एक तथा अनुवाद के दो प्रश्न होंगे।
3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	—	1X20 = 20	
लघु उत्तरीय प्रश्न	—	2X10 = 20	
आंतरिक	—		10
कुल	—		50

वर्ग परीक्षा– 7 अंक, उपस्थिति 3 अंक = 10 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-G-DSE- 503
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खंड "अ"
खोरठा उपन्यास

इकाई :	1.	उपन्यास की परिभाषा, तत्व एवं प्रकार	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा उपन्यास का उद्भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक– सइर सगरठ (डॉ०ए०के झा)	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक– सइर सगरठ (डॉ०ए०के झा)	–	01 क्रेडिट

अथवा

खंड "ब"
खोरठा कहानी

इकाई :	1.	कहानी की परिभाषा, तत्त्व एवं प्रकार	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा कहानी का उद्भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	खोरठा के प्रमुख कहानीकार	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक– खटरस (जनार्दन गोस्वामी 'व्यथित')		–01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-G-GE- 601
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा भाषा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन

इकाई 1 .	अपनी भाषा का परिचय एवं क्षेत्र विस्तार	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	भाषा परिवार, क्षेत्रीय रूप एवं मानकीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	अपनी भाषा का व्याकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	अपनी भाषा का अन्य झारखंडी भाषाओं से तुलनात्मक अध्ययन	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :
1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास), डॉ0 बी0एन0 ओहदार
2. खोरठा व्याकरण – डॉ0 गजाधर महतो प्रभाकर
3. भाषा गर्हन – कृष्णचंद्र दास आला
4. खोरठा सहित सदानिक बेयाकरन – डॉ0 ए0के0 झा

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-G-SEC- 602
क्रेडिट 2 (50 अंक)

विद्यार्थियों को अपनी भाषा खोरठा में गद्य–पद्य की अपनी रचना करनी है। यह रचना कम से कम 50 पृष्ठ की होनी चाहिए, जिसकी तीन प्रतियाँ महाविद्यालय में जमा करनी है। लेखन में 40 अंक तथा मौखिकी 10 अंक की होगी। उतीर्णांक 50 प्रतिशत होगी।

स्नातक खोरठा जेनरल तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-G-DSE- 603
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खंड "अ"
खोरठा नाटक

इकाई :	1.	नाटक की परिभाषा, तत्त्व एवं प्रकार	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा नाटक का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक, उदबासल कर्ण (श्रीनिवास पानुरी)	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक, एक काठ धान, (महेन्द्र प्रबुद्ध)	–	01 क्रेडिट

अथवा

खंड "ब"

इकाई :	1.	एकांकी की परिभाषा, तत्त्व, प्रकार एवं नाटक से अंतर	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा एकांकी का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक, जोंक (डॉ. महेन्द्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर')	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक, जोंक (डॉ. महेन्द्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर')	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक